Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302318**
Title of the Paper	**:**	लघुपाराशरी एवं जातकालंकार **Laghuparashari & Jatakalankar**
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit, LOCF, December-2024**
Group:	**:**	**I**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की व्याख्या करें। 4x7=28

   Explanation any **four** of the following.

   i. केन्द्रत्रिकोणपतयः सम्बन्धेन परस्परम्।
   इतरैरप्रसक्ताश्चेद् विशेषफलदायकाः ॥

   ii. मारकैः सह सम्बन्धान्निहन्ता पापकृच्छनिः।
   अतिक्रम्येतरान् सर्वान् भवत्येव न संशयः ॥

   iii. स्वक्षेत्रे तुर्यनाथस्तनुपतिसहितः स्यादकस्मादृहाग्निः, सौहार्द वा सुहृद्भिस्तदितरगृहगश्चेद् गृहाऽलाभयोगः।
   यावन्तः पापखेटा धनदशमगृहप्रान्त्यपैश्चेत् त्रिकस्था, युक्तास्तावत्प्रमाणा ज्वलनवशगताः क्लेशदा स्युर्गृहानुः॥

   iv. मन्दाश्लेषाद्वितीया यदि तदनु कुजे सप्तमी वारुणर्क्षे द्वादश्यां च द्विदैवं दिनमणिदिवसे यज्जनिः सा विषाख्या।
   धर्मस्थो भूमिसूनुस्तनुसदनगतः सूर्यसूनुस्तदानीं मार्तण्डः सूनुयातो यदि जनिसमये सा कुमारी विषाख्या ॥

   v. सिद्धान्तमौपनिषदं शुद्धान्तं परमेष्ठिनः।
   शोणाधरं महः किन्चिद्वीणाधरमुपास्महे ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये, जिनमें से एक संस्कृत में हो- 5+5+5+7=22

   Write short note on any four of the following out of which one should be in Sanskrit.

   सम्बन्ध, शनि की ग्रह-दृष्टि, भावों की विशेष संज्ञा, व्यत्ययभाव फल विचार, शनि-शुक्र का दशाफल

3. जातकालंकार के अनुसार "आयु विचार" पर प्रकाश डालिए। 10

Throw light on "आयु विचार" according to Jatakalankaar.

अथवा/OR

जातकालंकार के आधार पर 'विषकन्या योग एवं परिहार' की विवेचना कीजिए।

Describe 'विषकन्या योग एवं परिहार' on the basis of Jatakalankaar.

4. लघुपाराशरी के अनुसार छाया ग्रहों के फलादेश विधि को स्पष्ट कीजिए। 10

Explain the method of prediction for shadow planets according to Laghu Parashari.

अथवा/OR

दशाफल-विचार सम्बन्धी पाराशरी सिद्धान्त की सोदाहरण विस्तृत विवेचना कीजिए।

Give the detailed explanation with examples of the Parashari principles related to Dasha (planetary period) interpretation.